4 समय सुबह का

जागो, आया समय सुबह का।
बाग–बगीचा आँगन महका।।

नहीं अँधेरा नहीं धुँधलका,
आई सुबह लिए उजियाली।
आसमान रंग गया सुनहला,
फैल गई पूरब में लाली।।

ऊँची शाखाओं को छूती,
किरणें आ उतरी हैं भू पर।
ओस–कणों को चुगा उन्होंने,
सभी जगह से एक–एक कर।।

फीका पड़ा चाँद का मुखड़ा,
नहीं चाँदनी रही यहाँ अब।
सारी रात चमकने वाले,
तारे जाने गए कहाँ सब।।

मुरगों ने उठ बाँग लगाई,
चहक उठीं चिड़ियाँ मन भाई।
कुकड़ू कूँ चीं–चीं आवाजें,
गूँज उठी कानों में भाई।।

बाग–बगीचों अमराई में,
कूक उठी है कोयल काली।
फूलों से भर अपनी झोली,
फूली नहीं समाई डाली।।

गुन–गुन कर भँवरे मँडराए,
कलियाँ जागी ले अँगड़ाई।
रंग–बिरंगे पंखों वाली,
कई तितलियाँ उड़–उड़ आई।।

छोड़ बिछौना उठ बैठो सब,
आलस छोड़ो, आँखें खोलो।
दाँत मलो, मुँह हाथ पाँव धो,
सभी साफ सुथरे अब हो लो।

हुआ उजाला हलका–हलका।
जागो, आया समय सुबह का।।

अभ्यास कार्य

शब्द – अर्थ

आँगन	–	घर में खुला स्थान
लाली	–	ललाई / लालिमा
उजियाली	–	रोशनी
ओस–कण	–	ओस की बूंदें
चहकना	–	चहचहाना

उच्चारण के लिए

किरणे, रंग–बिरंगी, गूँज, चाँद, मुँह, पंछी

सोचें और बताएँ

1. सुबह के समय कौन–कौन महका ?
2. कानों में किसकी आवाजें गूँजने लगी ?
3. अँगड़ाई लेकर कौन जागी ?

लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

(मुरगों, चाँद, कोयल काली, आँगन)

(क) बाग–बगीचा .... महका।

(ख) कूक उठी है .... ।

(ग) फीका पड़ा .... का मुखड़ा।

(घ) .... ने उठ बाँग लगाई।

2. कौन कैसी बोली बोलता है, मिलान करें –

(क) मुर्गा	कुहू–कुहू
(ख) कोयल	टीं–टीं
(ग) चिड़िया	कुकड़ू–कूँ
(घ) भौंरा	काँव–काँव
(ङ) कौआ	चीं–चीं
(च) तोता	गुन – गुन

3. सुबह उठकर हम क्या–क्या काम करते हैं ?
4. प्रातःकाल कौन–कौनसे पक्षियों की आवाज सुनाई देती हैं ?
5. पूरब में लाली किस समय फैलती है ?
6. किरणों ने भू पर उतरकर क्या किया ?
7. 'फूली नहीं समाई डाली' से क्या तात्पर्य है ?
8. 'फीका पड़ा चाँद का मुखड़ा' से क्या आशय है ?

भाषा की बात

- पाठ में आए फूल को पुष्प, कुसुम, सुमन आदि अनेक नामों से जाना जाता है, ऐसे ही किसी शब्द के समान अर्थ वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखें।

रात	–	....	....	....
चाँद	–	....	....	....
आँख	–	....	....	....
आसमान	–	....	....	....

यह भी करें–

- इस पाठ के आधार पर सुबह का वर्णन अपने शब्दों में लिखकर कक्षा में सुनाएँ।
- सारणी की पूर्ति करें

फूल व फल का नाम	रंग का नाम
गुलाब	लाल

- आप अपनी मनपंसद के चार फूल या फलों के चित्र बनाकर रंग भरें।

निर्देश :– कविता पढ़ाने से पूर्व प्रातःकालीन दृश्य को आधार बनाकर फूलों,पक्षियों आदि पर बालकों से चर्चा करें।

छोटों के साथ सद्व्यवहार से ही मनुष्य अपने बड़प्पन को प्रकट करता है।
– अज्ञात